<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 465

19 जुलाई, 2017 को उत्तर के लिए

अन्तर्राष्ट्रीय मानदण्डों पर पिछड़ रहे सरकारी क्षेत्र के उपक्रम

465. श्री ए० के० सेल्वाराज:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) सहित सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को यह कहते हुए बेहतर प्रदर्शन करने अथवा कार्य बंद करने के लिए कहा है कि ऐसे समय ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जा सकती, जब निजी कंपनियां विभिन्न मानदंडों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं;

(ख) यहि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकारी क्षेत्र के उपक्रम न केवल अन्तर्राष्ट्रीय मानदण्डों पर पिछड़ रहे थे अपितु अपने निजी क्षेत्र के समकक्षों से भी पीछे थे और अपनी क्षमताओं को बढ़ाने में ढिलाई बरत रहे थे; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): सरकार सेल समेत सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की परियोजनाओं का निष्पादन बढ़ाने की दृष्टि से समय-समय पर उनकी समीक्षा करती है।

(ग) और (घ): सेल द्वारा आधुनिकीकरण एवं विस्तार योजना के अंतर्गत अधिष्ठापित की गई नई सुविधाओं से संबंधित मानदंड नवीनतम हैं और उनके स्वयं के डिजाइन मानदंड भी हैं। वर्ष 2015-16 की तुलना में 2016-17 के दौरान नई सुविधाओं के उत्पादन और उनके क्षमता उपयोग में पर्याप्त सुधार हुआ है।

*****